महत्वपूर्ण एवं खास

रॉड मारकर पति की हत्या, पत्नी गिरफ्तार

रायपुर (आरएनएस)। घरेलू विवाद को लेकर पत्नी ने पति के सिर पर लोहे के रॉड से वार कर हत्या की। मामले में राजेन्द्र नगर पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक सुरेन्द्र साहू 30 वर्ष आदर्श नगर अमलीडीह का रहने वाला था। बताया जाता है कि मृतक का उसके पत्नी मोतीन साहू के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। जिसके बाद आरोपिया मोतीन ने सुरेन्द्र से गाली-गलौज कर रॉड से मारकर हत्या कर चोट पहुंचाया। घटना की सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने आरोपिया मोतीन साहू को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अनियंत्रित कार ट्रेलर में जा घुसी, दो की मौत

भिलाई (आरएनएस)। सेक्टर-10 गणेश पंडाल के पास एक दर्दनाक हादसा हो गया। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है। इनमें से एक युवक प्रसाद बांट रहा था, जबकि दूसरा ट्रेलर के साथ ही चल रहा था। मिली जानकारी के अनुसार भिलाई सेक्टर-6 में पेट्रोल पंप के बगल में स्थित गणेश पंडाल का गणेश विजर्सन करने जा रहे थे। समिति के सदस्य डीजे की धुन में थिरक रहे थे। इसी दौरान ग्लोब चौक से सेक्टर-9 चौक की ओर जा रही एक तेज रफ्तार कार के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए ट्रेलर में कार घुसा दी। जिससे ट्रेलर में बैठकर प्रसाद बांट रहे शंकर की मौत हो गई। वहीं शंकर के साथ नीरज भी चपेट में आया था। जिससे घायल नीरज की अस्पताल पहुंचते ही मौत हो गई। वहीं इस हादसे में 4 अन्य लोग घायल हुए हैं, जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। इस दर्दनाक हादसे के बाद समिति व मोहल्लेवासियों ने सेक्टर-9 अस्पताल पहुंचकर जमकर हंगामा मचाया।

बच्ची से दुष्कर्म में मामले में दो आरोपी भाई गिरफ्तार

भिलाई (आरएनएस)। शहर के नेवी थाना क्षेत्र में बुआ के दो नाबालिग लडक़ों ने मामा की 7 साल की बच्ची को हवस का शिकार बना डाला। बच्ची की मां ने लोक-लाज के चलते पहली बार मामले को दबाया, तो दोनों लडक़े फिर वही हरकत करने मामा के घर पहुंच गए। घर में घुसने से मना करने पर दोनों लडक़ों ने मामी के साथ मारपीट की। नेवई पुलिस ने दोनों नाबालिग आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। नेवई टीआई ममता अली शर्मा ने बताया कि 4 महीने पहले 13 साल साल और 15 साल के लडक़े अपने मामा के घर घूमने आए थे। घर में कोई नहीं होने का फायदा उठाते हुए दोनों भाइयों ने मामा की 7 वर्षीय बेटी खेलने का लालच देकर अपने साथ ले गए। इसके बाद उसके साथ गंदा काम किया। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों नाबालिग भाई वहां से अपने घर चले गए। शाम को जब बच्ची के माता-पिता आए तो बेटी ने रो-रोकर उन्हें सारी जानकारी दी। सगे संबंधी का मामला और सामाजिक डर के चलते माता-पिता ने उस समय मामले को वहीं दबा दिया। इसके बाद रविवार को फिर से दोनों भाई मामा के घर पहुंचे। उन्हें देख मामी आग बबूला हो गई। उसने उन्हें घर से भगाया तो दोनों लडक़ों ने मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद परिजनों ने उन्हें पकडक़र पुलिस के हवाले किया।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग : आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी एवं फि जियोथेरेपिस्ट परीक्षा 15 को

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा शिक्षा (आयुष विभाग) एवं फिजियोथेरेपिस्ट (चिकित्सा शिक्षा विभाग) की परीक्षा 15 सितंबर को एक पाली में सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोग द्वारा निर्धारित 7 परीक्षा केन्द्रो में आयोजित की जाएगी। परीक्षा के दौरान सभी परीक्षार्थियों एवं अधिकारियों-कर्मचारियों को कोविड-19 महामारी के दिशानिर्देशानुसार सोशल डिस्टेसिंग, सेनेटाईजेशन, मास्क पहनना एवं अन्य सभी दिशा निर्देशो का पालन करना अनिवार्य होगा।

जशपुर जिले के अलग-अलग इलाकों में 65 हाथियों की मौजूदगी, 140 से अधिक गाँवो में अलर्ट

जशपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग में हाथियों की संख्या बढऩे से वनक्षेत्र के आसपास बसे गांवों में दहशत फैल गई है।

जशपुर जिले के अलग-अलग इलाकों में कुल 65 हाथियों का दल विचरण कर रहा है. इन हाथियों की वजह से 150 से ज्यादा गांव में अलर्ट जारी कर दिया गया है. वन विभाग की टीम फील्ड पर जाकर गांव वालों को सतर्क कर रही है ताकि हाथियों की वजह से कोई जनहानि ना हो. जिन गांवों में अलर्ट जारी किया गया है वहां कभी भी हाथी घुस सकते हैं. ग्रामीणों को सावधान रहने के लिए कहा गया है. जंगल के किनारे बसे गांव के किनारे में बने मकानों को खाली करवा दिया गया है. ग्रामीणों को गांव के बीच में बने मकानों में शिफ्ट किया जा रहा है।

दरअसल, जशपुर के कुनकुरी, तपकरा, पत्थलगांव, दुलदुला और बगीचा इन पांच वन परिक्षेत्र में इन दिनों हाथियों का दल घूम रहा है. जिले में कुल 65 हाथियों की मौजूदगी है. बता दें कि, कई दशक बाद इतनी ज्यादा संख्या में गांव को अलर्ट पर रखा गया है. हाथियों से किसी गांव के लोग छेड़छाड़ ना करें, इसलिए वन विभाग हर रोज मुनादी कर लोगों को सतर्क कर रहा है. वन विभाग ने ग्रामीणों को हिदायत दी है कि वे जंगल में ना जाएं, शाम के वक्त जंगल के रास्ते से कहीं आना जाना नहीं करें, भले ही वह पक्की सडक़ क्यों ना हो. ग्रामीण एकजुट रहें, जंगल से सटे हुए मकानों में रहकर अपनी जान जोखिम में ना डालें. जिन किसानों के खेत जंगल से सटे हुए हैं. वे अच्छी तरह से जानकारी प्राप्त करने के बाद ही काम करने के लिए खेत जाएं, देर शाम तक खेत में ना रुकें।

हाथियों ने मोहनपुर व लैंगी में फसलों को किया नुकसान

कोरबा (आरएनएस)। कटघोरा वनमंडल के पसान, एतमानगर व केंदई रेंज में हाथियों का आतंक लगातार जारी है। यहां के विभिन्न स्थानों पर घूम रहे हाथियों के दल ने फिर उत्पात मचाते हुए कई किसानों की फसल मटियामेट कर दी है जिससे संबंधितों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। जानकारी के अनुसार पसान रेंज के लैंगी जंगल में घूम रहे 25 हाथियों के दल ने बीती रात ग्राम लैंगी व मोहनपुर में उत्पात मचाते हुए धान के फसल को रौंद दिया। हाथियों का दल रात भर खेतों में विचरण करता रहा जिससे उसके पैरों तले दबने से खेतों में लगे फसल खराब हो गए। वन विभाग के अमले ने सूचना मिलने पर आज सुबह बरसते पानी में खेतों में पहुंचकर नुकसानी का आंकलन किया और रिपोर्ट तैयार करने के साथ ही इसे अपने उच्च अधिकारियों को सौंप दिया। हाथी यहां उत्पात मचाने के बाद दो दलों में बंट गए। एक दल लैंगी के जंगल में ही रह गया जबकि दूसरा दल आगे बढक़र अड़सरा के बरबसपारा जंगल में पहुंच गया। आज सुबह हाथियों के इस दल को यहां विचरण करते हुए देखा गया और इसकी सूचना वन विभाग को दी गई। जिस पर वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचकर हाथियों की निगरानी में जुट गया है। उधर एतमानगर रेंज में पिछले एक सप्ताह से डेरा डाले हुए हाथी भी दो गुटों में बंट गए हैं। एक गुट रेंज के रिंगनिया में विचरणरत है जबकि दूसरा गुट आगे बढक़र केंदई रेंज के परला पहुंच गया और वहां पहले से मौजूद हाथियों के दल में शामिल होकर उत्पात मचाते हुए चार ग्रामीणों के खेतों में लगे धान के फसल को रौंद डाला। हाथियों द्वारा फसल रौंदे जाने से संबंधित किसानों को हजारों रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है। कटघोरा वनमंडल में बड़ी संख्या में हाथियों के विचरण करने से ग्रामीण काफी दहशत में हैं।

चिल्हाटी के गौठान में अंडा उत्पादन कर स्व-सहायता समूह की महिलाएं

❐ आर्थिक रूप से हो रही सशक्त

कांकेर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वकांक्षी योजनांतर्गत जिले के गौठानों में विभिन्न आयमूलक नवाचार किया जा रहा है। जिला प्रशासन के निर्देषानुसार गौठानों में वर्मी खाद का उत्पादन कर उसका विक्रय किया जा रहा है, साथ ही समूह की महिलाओं द्वारा मछली पालन, दाल मिल संचालन एवं सब्जियों के उत्पादन कर अच्छी आमदनी प्राप्त कर रहे हैं। विकासखंड भानुप्रतापपुर के ग्राम चिल्हाटी स्थित आदर्श गौठान में जय मां लक्ष्मी स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा मुर्गी पालन कर अंडा उत्पादन इकाई का संचालन किया जा रहा है। चिल्हाटी गौठान में समूह की महिलाओं द्वारा अंडा उत्पादन मुर्गियों को पालने और अंडा उत्पादन के लिए केज बनाया गया है, केज में अंडा उत्पादन के लिए वर्तमान में 180 मुर्गियों को रखा गया है। पशुचिकित्सा अधिकारी डॉ. विजया नागवंशी और सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी टीकम ठाकुर द्वारा समय-समय पर मॉनिटरिंग कर स्व-सहायता समूह की महिलाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

'महिला सशक्तिकरण का जरिया बना गोधन न्याय योजना'- गोधन न्याय योजना महिला स्व-सहायता समूह के महिलाओं के लिए सषक्तिकरण का जरिया बना है। गौठान में अंडा उत्पादन इकाई का संचालन करने वाली महिलाएं गनेशिया, बबिता, रेमन, बसंताबाई, मालती और भारती ने बताया कि उत्पादित अंडों को विक्रय करने में कोई दिक्कत नहीं हो रही है। मुर्गियों से प्रति दिन 100 नग से ऊपर अंडे मिलते हैं, महज 10 दिन में 1 हजार अंडों के विक्रय से 6 हजार की आय प्राप्त हुई है। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी प्रवीण कवाची ने बताया कि चिल्हाटी गोठान की महिला समूह इस कार्य को लगन से कर रही हैं, आगे भी मुर्गीपालन कर अंडा उत्पादन इकाई को बढ़ाने का विचार किया जा रहा है। ग्रामीण महिलाओं के घरों में मुर्गीपालन उनकी संस्कृति का हिस्सा है इसलिए इस क्षेत्र की महिलाएं अंडा उत्पादन की बारीकियों से भली भांति परिचित हैं, जिसका फायदा अब उन्हें मिल रहा है। मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के तहत आंगनबाडिय़ों के कुपोषित बच्चों को अंडा खिलाया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 5 से 6 रुपये प्रति नग की दर से महिला समूह से अंडा की खरीदी की जा रही है, जिन्हें आंगनबाड़ी केंद्रों में विक्रय कर महिलाएं आय अर्जित कर रही हैं।

छत्तीसगढ़ में भारी वर्षा की संभावना

जगदलपुर (आरएनएस)। मौसम विज्ञानियों से मिली जानकारी के अनुसार एक चिन्हित निम्न दाब का क्षेत्र दक्षिण-पूर्व मध्य प्रदेश और उससे लगे उत्तर विदर्भ के ऊपर स्थित है, इसके साथ ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती घेरा 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है।

मानसून द्रोणिका मध्य समुद्र तल पर जैसलमेर, उदयपुर, भोपाल, निम्न दाब के केंद्र, भाटापारा, झाड़सुगुड़ा, बालासोर, और उसके बाद पूर्व-दक्षिण-पूर्व की ओर उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी तक स्थित है।

छत्तीसगढ़ में 13 सितंबर को अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज के साथ छींटे पडऩे की संभावना है। प्रदेश में एक-दो स्थानों पर गरज चमक के साथ वज्रपात और भारी वर्षा होने की संभावना है। भारी वर्षा का क्षेत्र मुख्यत: उत्तर छत्तीसगढ़ रहने की संभावना है।

सेल्फी लेने के चक्कर मे नहर में गिरा युवक,गोताखोर कर रहे तलाश

उतई/भिलाई (आरएनएस)। दुर्ग जिले के उतई थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खोपली के नहर में पिकनिक मनाने आया एक युवक गिर गया । जिसका अभी तक कोई पता नही चल पाया है। उतई पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार उतई के खपोली गांव में रविवार को पिकनिक मनाने जामुल के कुछ युवक पहुंचे थे। सभी यहां नहर किनारे पिकनिक मना रहे थे। इस दौरान नहर में पानी लबालब भरा हुआ था और बहाव भी तेज थी। इन युवकों के एक से युवक नहर के किनारे सेल्फी लेने लगा। इस बीच युवक का पैर फिसला और तेज बहाव में बह गया।

नहर में बहे युवक की पहचान नवजोत सिंह के रूप में हुई है। घटना के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद इसकी सूचना उतई थाने में दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से युवक की खोजबीन शुरू की। इसके बाद एसडीआरएफ को भी सूचना दी गई। रविवार देर शाम तक युवक की तलाश की जाती रही लेकिन उसका कुछ भी पता नहीं चला।

सोमवार सुबह एक बार फिर से रेस्क्यू कार्यक्रम शुरू किया गया। दोपहर 12 बजे तक युवक का कुछ पता नहीं चल पाया है। मौके पर एसडीआरएफ की टीमें मौजूद हैं। बताया जा रहा है कि बहाव तेज होने के कारण युवक का एगजेक्ट लोकेशन पता नहीं चल पा रहा है। वहीं एसडीआरएफ के जवान लगातार बहे युवक की तलाश कर रहे हैं।

देश में कोयला संकट और एसईसीएल की खदानों में औसतन हर पांचवें दिन भू-विस्थापितों का काम बंद आंदोलन

कोरबा (आरएनएस)। देश में कोयला संकट के बीच साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड एसईसीएल आंदोलन की मार झेल रही है। पिछले पांच माह के अंदर हुए आंदोलनों पर नजर दौड़ाई जाएं तो गेवरा, दीपका व कुसमुंडा तीनों मेगा परियोजनाओं में औसतन पांच दिन में काम बंद हड़ताल हो रही। इस दौरान करीब 60 घंटे कोयला उत्पादन व मिट्टी निकासी का काम प्रभावित रहा। हड़ताल की इस अवधि में करीब 2.25 लाख टन कोयला व लदान प्रभावित हुआ। यही वजह है कि एसईसीएल लगातार दूसरे वर्ष भी कोयला उत्पादन के क्षेत्र में लक्ष्?य से करीब 140 लाख टन पीछे चल रही है।

कोल इंडिया से संबद्ध सात कोयला उत्पादक कंपनियों में एसईसीएल सबसे बड़ी कंपनी मानी जाती है। बीते वित्तीय वर्ष 2021-22 को यदि छोड़ दिया जाए, इससे पहले लगातार कई वर्षो तक एसईसीएल उत्पादन व परिवहन के क्षेत्र में नंबर वन कंपनी रही। बीते वर्ष लगभग 210 लाख टन कोयला उत्पादन से कंपनी पीछे रही। कोयला मंत्री से लेकर सचिव तक यहां दौरा कर चुके हैं। केंद्र की उम्मीद एसईसीएल की इन्हीं तीनों मेगा प्रोजेक्ट पर बनी हुई है। देश में कोयले की मांग को पूरा करने के लिए खदानों में उत्पादन बढ़ाने की कवायद चल रही। अभी कुछ दिन पहले ही कोयला मंत्रालय की संयुक्त सचिव विस्मिता तेज तीनों मेगा प्रोजेक्टों का दौरा की और उत्पादन की स्थिति देखी। एसईसीएल के पिछडऩे के कारण जमीन व संसाधन की कमी हो सकती है, पर सबसे बड़ी वजह से भू-विस्थापितों का आंदोलन उभर कर सामने आ रही। इस बात से ही सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि औसतन हर पांचवें दिन भू.विस्थापितों से जुड़ा एक संगठन किसी न किसी एक खदान में उतर कामकाज ठप कर देता है। कई बार तो ऐसा भी होता है कि एक ही दिन तीनों प्रोजेक्ट में अलग अलग संगठन उत्पादन प्रभावित कर देते हैं। अधिकारियों को आंदोलनकारियों से निपटने में ज्यादा मशक्कत करनी पड़ रही। इसका सीधा असर कोयला उत्पादन में पड़ रहा। यही स्थिति रही तो इस वित्तीय वर्ष में भी एसईसीएल अपना 1820 लाख टन का लक्ष्य पूरा नहीं कर पाएगी।

नशे में प्रेमिका को उतारा मौत के घाट, आरोपी जेल दाखिल

कोरबा (आरएनएस)। पति की अनुपस्थिति में पत्नी ने प्रेमी को घर बुला लिया। दोनों ने मिल कर शराब पीया। बाद में दोनों के बीच विवाद हो गया। आधी रात को प्रेमी ने प्रेमिका की पीट पीट कर हत्या कर दी और निर्वस्त्र अवस्था में शव को घसीटते हुए घर से बाहर ले आया। फिर एक ग्रामीण के घर के आंगन में शव को छोड़ दिया। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।

यह घटना पसान थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर धमधमापारा का है। यहां रहने वाला एक ग्रामीण नौ सितंबर को दोपहर करीब दो बजे एक रिश्तेदार के घर कटघोरा से लगे ग्राम लख्मी चला गया था। उसकी पत्नी व तीन बच्चे घर पर मौजूद थे। बताया जा रहा है कि पत्नी का प्रेम संबंध गांव के ही युवक समारू 19 वर्ष के साथ था। उसने पति के अनुपस्थिति में रात को समारू को घर बुला लिया। दोनों ने शराब का सेवनकिया। इस बीच दोनों के बीच विवाद होने लगा। नाराज होकर समारू घर के बाहर आंगन में खाट लगा कर सो गया और बाहर से दरवाजा का कुंदा लगा दिया।

अचानक रात तीन बजे वह उठा और फिर दरवाजा खोल कर अंदर जा घुसा और प्रेमिका को नींद से जगा कर उसके साथ विवाद करने लगा। आवेश में आकर उसने उसे बुरी तरह पीटा और फावड़ा से उस पर दो-तीन वार कर दिया। पीटने के दौरान उसके कपड़े भी उतार दिए। मौत हो जाने के बाद प्रेमिका की लाश को घसीटते हुए घर से बाहर निकाल लिया और रामसिंह के घर के सामने ले जाकर छोड़ दिया। फिर चीखते हुए बोलने लगा कि कोई उसके पास आया तो वह उसकी भी हत्या कर देगा। कुछ लोगों ने नजदीक जाकर देखा तो महिला की मौत हो चुकी थी। सिर में कई जगह गंभीर चोट के निशान मिले हैं। उपसरपंच को घटना की जानकारी दी गई और उसके बाद मृतका के पति को इसे अवगत कराया गया। इस घटना की जानकारी मिलने पर पसान पुलिस मौके पर पहुंच कर शव का पंचनामा किया और वैधानिक प्रक्रिया के लिए अस्पताल भेजा। आरोपित समारू को हत्या के मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना के बाद तीनों बच्चों को आरोपित समारू ने मकान का ताला बाहर से लगा कर कैद कर लिया था। मृतका का पति सूचना मिलने पर सुबह घर पहुंचा, तब उसकी उपस्थिति में ग्रामीणों ने ताला तोड़ा और बच्चों को बाहर निकाला गया। पुलिस ने हत्या में प्रयोग किए गए फावड़ा जब्त करने की कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर कटघोरा उपजेल भेज दिया है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ताकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन व्यक्ति की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

गांव का मोर बना सैलानियों के लिए आकर्षण का केन्द्र

कोरबा (आरएनएस)। भटक कर गांव में आ गया मोर अब ग्रामीणों के बीच ही एक सदस्य की तरह घुल मिल गया है। गांव की गलियों से लेकर घर व दुकानों में फुदकता रहता है। इसे कोई नुकसान नहीं पहुंचाता। जंगल में सैर करने निकले सैलानियों के लिए भी यह आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। पक्षी व ग्रामीणों के बीच के दोस्ती किसी मिसाल से कम नहीं।

राष्ट्रीय पक्षी मोर आमतौर पर जंगल या चिडिय़ाघरों में देखने को मिलता है, पर जिले के सुदूर वनांचल ग्राम लेमरू में जंगल से भटककर आए एक मोर ने आबादी के बीच

ही अपना बसेरा बना लिया है। घरों की मुंडेर और गलियों में बेरोकटोक घूमता है, वह ग्रामीणों के लिए उनका दोस्त व परिवार के सदस्य की तरह बन गया है। जिला मुख्यालय से करीब 52 किलोमीटर दूर स्थित लेमरू गांव है। पहाड़ी और घने जंगल से घिरे लेमरू गांव की खूबसूरती को राष्ट्रीय पक्षी मोर ने बढ़ा दिया है। करीब सात साल पहले घने जंगल से भटक यह मोर रिहायशी इलाके में पहुंच गया था, उस वक्त काफी छोटा था। ग्रामीणों ने इसे कोई नुकसान नहीं पहुंचाया बल्कि इसके दाना-पानी की व्यवस्था कर दी। लोगों के इस व्यवहार को देखकर मोर गांव में रुक गया। तब से ये खूबसूरत मोर गांव की शोभा बढ़ा रहा है।

यह मोर गांव की गलियों में इत्मीनान से घूमता है जब भूख लगती है तो गांव के बीच स्थित होटल पहुंच जाता है। होटल व्यवसाई भी इसके इशारे को समझ जाते है। भर पेट दाना चुगने के बाद मोर गांव की सैर पर निकल जाता है। सुबह व शाम के वक्त गांव के चौराहे पर जब अपने पंख को फैलाकर झूमता है उस दौरान इसे देखने के लिए भीड़ लग जाती है। इस मोर की मौजूदगी के कारण लेमरू काफी चर्चित है और आने-जाने वाले राहगीरों के साथ पर्यटक भी उसे देखने ठिठक जाते हैं। इस खूबसूरत मोर को करीब से देखने के लिए दूर से लोग आते है। गांव के लोग इसका पूरा ख्याल रखते है। अब यह मोर ग्रामीणों के परिवार की सदस्य की तरह रहता है। वन विभाग द्वारा भी राष्ट्रीय पक्षी मोर की सुरक्षा का ध्यान रखा जाता है।

वनभ्रमण या पर्यटन के शौकीनों को घने जंगल में पहुंचते ही अब तक मयूर की केवल आवाजें ही सुनाई देती थी। अब एक मोर खुद उनके पास चला आता है। सुदूर वनांचल ग्राम लेमरू में एक दिन जंगल से भटककर आए मोर को ग्रामीणों ने दी शरण। अब वह गांव में स्वतंत्र एवं बिना किसी डर यहां-वहां घूमता रहता है। इतना ही नहीं, पर्यटकों के ठिठकर रुक जाने पर उनके पास चला आता है। होटल हो या किसी ग्रामीण का घर, भूख लगते ही उनके पास चला आता है और वे उसे निस्वार्थ भाव से अपने परिवार का सदस्य मान उसे भरपेट चारा भी खिलाते हैं।